

सकलडीहा पी0जी0 कॉलेज, सकलडीहा-चन्दौली  
राष्ट्रीय सेवा योजना वर्ष (2022-23) कार्यक्रम विवरण

क्र0सं0	कार्यक्रम	दिनांक	कार्यक्रम का विवरण
1.	प्रथम एक दिवसीय सामान्य शिविर	21.01.2022	<ol style="list-style-type: none"> <li>एक दिवसीय शिविर का आयोजन प्रसिद्ध राष्ट्रवादी एवं समाज सुधारक महादेव गोविन्द रानोडे के जयन्ती के अवसर पर सकलडीहा ग्राम पंचायत के मलीन बस्ती में किया गया।</li> <li>शिविर के माध्यम से स्वयं सेवकों ने साफ-सफाई एवं स्वस्थ जन जागरूकता, घर की सफाई, गली और मोहल्ले की सफाई, जलाशयों की सफाई, शुद्ध पेय जल का प्रयोग करना, खुले में शौच न करना, शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोना, मच्छरदानी का प्रयोग करना सुपाच्य एवं पौष्टिक भोज्य पदार्थों का प्रयोग करना, सड़े-गले तथा खुले में रखे फलों और सब्जियों का प्रयोग न करना, घर पर डिलेवरी न कराकर गर्भवती महिला को स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जाना, अपने आस-पास गन्दा जल न इकट्ठा होने देना पर ग्रामीण लोगों को जानकारी दी गयी।</li> <li>वैदिक गोष्ठी में नेताजी सुपाच्य चन्द्र बोस के 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में "पराक्रम दिवस" में कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अनिल तिवारी ने नेताजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से धातो का परिचय कराया।</li> <li>कार्यक्रम अधिकारी श्री जितेन्द्र यादव ने महोदय गोविन्द रानाडे न्याय विद एवं समाज सुधारक के जीवन एवं योगदान पर प्रकाश डाला।</li> </ol>
2.	द्वितीय एक दिवसीय सामान्य शिविर	29.01.2023	<ol style="list-style-type: none"> <li>शिविर का आयोजन टिमिलपुरा ग्राम पंचायत के मलीन बस्ती में किया गया था।</li> <li>शिविर के माध्यम से स्वयं सेवकों ने नारी शिक्षा एवं नारी सशक्तिकरण के लिए ग्रामीण लोगों का जागरूक किया तथा उनके यह सोच पैदा की कि लडकों के तरह ही लडकियों का परिचय करना चाहिए। लडकियों लडकों की तरह हर काम करने में सक्षम है।</li> <li>शहीद दिवस के उपलक्ष्य में गाँधी जी के रचनात्मक कार्यक्रम के ऊपर परिचर्चा आयोजित की गयी थी। जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अनिल कुमारी तिवारी ने गाँधी जी के रचनात्मक कार्यों, अस्पृथ्यता अन्नमूलन, नारी शिक्षा, साफ-सफाई, मद्य निषेध, पौढ शिक्षा, कुष्ठ रोगियों का सेवा करना, बुनियादी तालीम, धार्मिक सद्भाव से स्वयं सेवकों का परिचय कराया।</li> </ol>
3.	तृतीय एक दिवसीय सामान्य शिविर	10.03.2023	<ol style="list-style-type: none"> <li>तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन नागपुर टिमिलपुरा तथा ईटवा ग्राम पंचायतों की मलीन बस्ती में किया गया था।</li> <li>इस शिविर के माध्यम से स्वयं सेवकों ने साफ-सफाई स्वास्थ्य जागरूकता पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ग्रामीण लोगों को जागरूक किया।</li> <li>शिविर में "प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले" पर परिचर्चा आयोजित की गयी थी जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमय वर्मा ने स्त्री शिक्षा के लिए उनके योगदान परचर्चा की। स्वयं सेवकों के तरफ से विनोद विश्वकर्मा, नियामत अली, रियासत अली, राहुल कुमार सोम्या यादव तथा प्रीति कुमार ने भाग लिया।</li> </ol>
4.	चतुर्थ एक दिवसीय सामान्य शिविर	12.03.2023	<ol style="list-style-type: none"> <li>चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन इटवा, नागपुर सकलडीहा ग्राम पंचायतों के मलीन बस्ती में किया गया था।</li> <li>शिविर के माध्यम से स्वयं सेवकों ने घर-घर जाकर स्वास्थ्य जागरूकता, नारी शिक्षा, साफ-सफाई, सक्रमक रोगों के कारण व निदान, सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के बारे में ग्रामीण लोगों को जागरूक किया।</li> <li>नमक सत्याग्रह के उपलक्ष्य में "समाज और जागरूकता पर परिचर्चा आयोजित की गयी थी जिसमें डॉ0 अनिल कुमार तिवारी ने स्वयं सेवकों को यह बताया कि हमे अपने कर्तव्यों और दायित्वों से विमुख नहीं होना चाहिए समाज विरोधी गतिविधियों का अहिंसात्मक साधनो से विरोध करना चाहिए जैसे गाँधी जी ने नमक कानून का विरोध किया था।</li> </ol>
5.	सात दिवसीय विशेष शिविर	28.02.2023 से 06.03.2023	<ol style="list-style-type: none"> <li>सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन "अमृत सरोवर दुर्गा माता मन्दिर" टिमिलपुरा में किया गया था, कार्य स्थल टिमिलपुरा, नागपुर तथा सकलडीहा ग्राम पंचायत था।</li> <li>इस शिविर के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री विकासधर दूबे तहसीलदार सकलडीहा थे उन्होंने ने अपने उद्बोधन के स्वयं सेवकों को एन.एस.एस. के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों के बारे के बताया तथा कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर समान सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में आपके लिए प्रेरणादायी होगी।</li> <li>विभिन्न समाजिक समस्याओं एवं समाजिक कुरितियों एवं पर्यावरण संरक्षण (पोलिथीन निषेध) के प्रति जागरूकता के स्वयं सेवकों ने रैली निकाली तथा जगह-जगह पर नुककड़ नाटक भी किया।</li> <li>शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री मनोज पाण्डेय उप जिलाधिकारी सकलडीहा थे। अपने उद्बोधन में छात्रों को समाज सेवा तथा राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि तब हमारे समाज में मुझे नहीं तुझे की भावना को आत्मसात किया जाने लगेगा तभी मानव जीवन की सार्थकता होगी और यह दायित्व हमारे युवा वर्ग पर ही है। पर हित सरिस धर्म नहीं भाइ यह हमारे धर्म ग्रन्थों का मूल ग्रन्थ रहा है। "इसे समाज में कार्यान्वित करने की जरूरत है।</li> </ol>

कार्यक्रम अधिकारी  
राष्ट्रीय सेवा योजना  
सकलडीहा पी0जी0 कॉलेज, सकलडीहा-चन्दौली